समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की व्यवस्था पर रखी जा रही है कड़ी निगरानी

- किसानों को टोकन आवेदन के लिए दोहरी सुविधा
- समिति में ऑपरेटर के माध्यम से भी टोकन आवेदन कर सकते हैं किसान
- किसानों से क्रय धान के भुगतान के लिए 6728 करोड़ रूपए जारी
- विशेष परिस्थिति में किसानों के बारदानों का उपयोग और प्रति बारदाना 25 रूपए का भुगतान

रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए किसानों को टोकन जारी करने से लेकर बारदाना की व्यवस्था, धान का उपार्जन एवं भुगतान, केन्द्रों में खरीदे गए धान का उठाव पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। किसानों को धान विक्रय हेतु टोकन आवेदन करने के लिए समिति माड्यूल एवं टोकन तुंहर हाथ एप की सुविधा दी गई है। टोकन आवेदन करने में दिक्कत होने पर किसान समिति में ऑपरेटर के माध्यम से टोकन आवेदन कर सकते हैं। केन्द्रों में धान उपार्जन के लिए 72,194 गठान बारदाने उपलब्ध है। विशेष परिस्थिति में किसानों के बारदानों का उपयोग और 25 रूपया प्रति नग बारदाना भुगतान के लिए अपेक्स बैंक को 11 करोड़ 23 लाख रूपए भी दे दिए गए हैं।

किसानों को भुगतान के लिए अब तक 6728 करोड़ रूपए जारी

गौरतलब है कि राज्य में 14 नवंबर से किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जा रहा है। 5 दिसम्बर तक 2739 उपार्जन केन्द्रों में कुल 29.22 लाख मेट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। प्रदेश में कुल पंजीकृत 27.78 लाख कृषकों में से अब तक 6 लाख 15 हजार किसानों ने समर्थन मूल्य में धान का विक्रय किया है। उपार्जित धान की राशि संबंधित कृषकों के खाते में नियमित रूप से अंतरित की जा रही है। विपणन संघ द्वारा 6727 करोड़ 93 लाख रूपए अपेक्स बैंक को उपार्जित धान के समर्थन मूल्य के रूप में अंतरित की जा चुकी है। किसानों की सुविधा की दृष्टिकोण से उपार्जन केन्द्रों में अपेक्स बैंक द्वारा माइक्रो एटीएम की व्यवस्था भी की गई है।

समिति में आपरेटर के माध्यम से टोकन आवेदन की भी सुविधा

उपार्जन केन्द्रों में धान विक्रय हेतु किसानों द्वारा टोकन आवेदन समिति माड्यूल एवं टोकन तुहर हाथ एप्प के माध्यम से किये जाने की सुविधा प्रदाय की गई है। कुल टोकन आवेदन का 40 प्रतिशत समिति माड्यूल एवं 60 प्रतिशत एप्प के माध्यम से आरक्षित किया गया है। जिन कृषकों को एप्प के माध्यम से टोकन आवेदन करने में कठिनाई हो रही हो, वे समिति में आपरेटर के माध्यम से टोकन आवेदन करा सकते हैं। किसानों द्वारा आवेदन के दौरान आवश्यक प्रविष्टि करने के उपरांत आवेदन की तारीख से लेकर 15 जनवरी 2025 तक रिक्त स्लॉट में धान विक्रय हेतु दिवस का चयन किया जा सकता है। लघु एवं सीमांत कृषकों को 02 टोकन एवं दीर्घ कृषकों 03 टोकन की सुविधा प्रदाय की गई है।

किसान बारदाना के लिए प्रति नग 25 रूपए

भारत सरकार की नवीन बारदाना नीति अनुसार धान का उपार्जन नये एवं पुराने बारदानों में 50 अनुपात 50 में किया जाना है। प्रदेश में अनुमानित धान उपार्जन 160 लाख टन के आधार पर सभी उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त बारदानों की व्यवस्था कर ली गई है। उपार्जन केन्द्रों में पुराने बारदानें के रूप में मिलर बारदाना, पीडीएस बारदाना, समिति द्वारा उपलब्ध कराये गये बारदानों का उपयोग किया जा रहा है। विशेष परिस्थिति में किसान बारदाना का भी उपयोग किया गया है, जिसका 25 रू. नग के मान से किसानों को भुगतान हेतु राशि 11 करोड़ 23 लाख रूपए अपेक्स बैंक को दी जा चुकी है।

धान खरीदी केन्द्रों में 72,194 गठान बारदाना उपलब्ध

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए कुल 4 लाख गठान नये बारदानों की आवश्यकता है, जिसके विरूद्ध 3.51 लाख नये बारदानें प्रदेश को प्राप्त हो गए है, शेष बारदानें आगामी 15 से 20 दिवसों में प्राप्त हो जायेगें। अभी तक धान उपार्जन में पीडीएस बारदाने 32392 गठान, मिलर बारदानें 23078 गठान, किसान बारदानें 10176 गठान उपयोग किये जा चुके है। उपार्जन केन्द्रों में पीडीएस बारदाने 18985 गठान, मिलर बारदानें 54209 गठान उपयोग हेतु उपलब्ध है। वर्तमान में प्रदेश के किसी भी उपार्जन केन्द्र में बारदानों की कमी नहीं है।

कस्टम मिलिंग पंजीयन के लिए 865 आवेदन

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में उपार्जित किए जा रहे धान के उठाव एवं मिलिंग का काम भी समांतर रूप से किया जा रहा है। जिन उपार्जन केन्द्रों में बफर से अधिक धान भण्डारित होने की स्थिति निर्मित हो रही है, वहाँ परिवहन आदेश जारी कर धान का परिवहन निकटतम सग्रहण केन्द्र में किया जा रहा है। अब तक 2.5 लाख टन धान का परिवहन आदेश जारी किया जा चुका है। मिलरों से पंजीयन हेतु 865 आवेदन प्राप्त हुए है। 252 राईस मिलरों द्वारा कस्टम मिलिंग हेतु पंजीयन कराया जा चुका है। मिलरों को 1296 टन का डीओ जारी किया जा चुका है।

अब तक 33,054 क्विंटल धान जब्त

प्रदेश में धान के अवैध परिवहन एवं अफरा-तफरी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश में अवैध धान के 3305 प्रकरण बनाये गये है एवं 33,054 क्विंटल धान जब्त किया गया है। उपार्जन केन्द्रों में रिसाईकलिंग रोके जाने हेतु नोडल अधिकारी द्वारा भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। सीमावर्ती जिलों में 273 चेक पोस्ट की स्थापना धान के अवैध परिहन के मामलों पर कार्यवाही की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 29.22 लाख मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

- धान खरीदी के एवज में 6.15 लाख किसानों को 6727.93 करोड़ रूपए का भुगतान
- शिकायत एवं निवारण के लिए हेल्प लाइन नंबर 0771-2425463

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से सुगमता पूर्वक धान की खरीदी की जा रही है। छत्तीसगढ़ में धान 14 नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। राज्य में 14 नवम्बर से अब तक 29.22 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। राज्य में अब तक 6.15 लाख किसानों ने अपना धान बेचा है। धान खरीदी के एवज में इन किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 6727 करोड़ 93 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि इस खरीफ वर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज 5 दिसम्बर को 65663 किसानों से 2.98 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। इसके लिए 70692 टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस के लिए 76378 टोकन जारी किए गए हैं। राज्य सरकार धान उपार्जन केन्द्रों में शिकायत एवं निवारण के लिये हेल्प लाइन नंबर जारी किए है, जिसका नं. 0771-2425463 है। धान बेचने वाले कोई भी किसान इस हेल्पलाईन नम्बर पर फोन कर अपनी समस्यओं का समाधान कर सकते है।

महत्वपूर्ण एवं खास

सपोर्ट पर्सन का इम्पैलमेन्ट हेतु रूचि का प्रस्ताव आवेदन प्राप्त की अंतिम तिथि में वृद्धि, अब 15 दिसम्बर तक कर सकते है आवेदन

रायगढ़। लैगिंक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 39 के अधीन सपोर्ट पर्सन का इम्पैलमेन्ट हेतु रूचि की अभिरूचि का प्रस्ताव के लिए गत दिवस 25 नवम्बर तक आवेदन मंगाए गए थे। उक्त तिथि में वृद्धि करते हुए अब 15 दिसम्बर 2024 तक आवेदन मंगाए गए है।

स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर पात्र अभ्यर्थियों की अंतिम मेरिट सूची जारी

रायगढ़। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत रायगढ़ जिले में फार्मासिस्ट ग्रेड-2, ड्रेसर ग्रेड-2, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, पुरूष, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, महिला एवं डार्करूम असिस्टेंट के पद पर भर्ती किए जाने हेतु अनंतिम मेरिट सूची के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन हेतु आवेदन मंगाए गए थे। दस्तावेज सत्यापन उपरांत केवल पात्र अभ्यर्थियों की अंतिम मेरिट सूची मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय रायगढ़ के सूचना पटल में चस्पा किया गया है एवं जिले के वेबसाईट www.raigarh.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.cghealth.nic.in में अपलोड किया गया है।

नवागढ़ में 18 से 21 दिसम्बर तक होगी राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता

रायपुर। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने आज बेमेतरा जिले के नवागढ़ में परम पूज्य बाबा गुरू घासीदास जी के जयंती के उपलक्ष्य में 18 से 21 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता स्थल का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर कलेक्टर रणवीर शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नक्सलियों ने की दो पूर्व सरपंचों की हत्या

बीजापुर-रायपुर (आरएनएस)। जिले में नक्सलियों ने बीते 48 घंटों में दो पूर्व सरपंचों की हत्या कर दी है। शव के पास माओवादी पर्चे फेंके गए हैं। पुलिस की ओर से कहा गया है कि, घटना की जांच की जा रही है। तीन को सूकलू चार को सुखराम का अपहरण और हत्या प्रारंभिक तौर पर मिली सूचना के अनुसार बीते तीन दिसंबर को, भैरमगढ़ निवासी बिरयाभुमि के पूर्व सरपंच सूकलू फरसा को डालेर के पास से नक्सलियों ने अपहरण किया और उनकी हत्या कर दी गई।सूकलू के शव के पास भैरमगढ एरिया कमेटी का पर्चा बरामद हुआ है।जबकि चार पांच दिसंबर को बीजापुर के नेमाड़े थाने के कडेर के पूर्व संरपच सुखराम जो कि बीजापुर में रह रहे थे, वे निजी काम से कैका गए थे। लौटते समय उनको अपहरित कर जंगल की ओर ले गए। रात करीब 9 बजे पूर्व सरपंच सुखराम का शव सडक़ पर डाल दिया गया। शव के साथ गंगालूर एरिया कमेटी का पर्चा बरामद हुआ है।

पीएमश्री नटवर स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

रायगढ़

जितेन्द्र कुमार जैन प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष के मार्गदर्शन में नालसा तथा सालसा के विशेष अभियान के तहत आज जिला रायगढ़ के पी.एम.श्री गवर्नमेंट नटवर इग्लिश मिडियम स्कूल में अध्ययनरत बच्चों हेतु विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

प्रवीण मिश्रा प्रथम व्यवहार न्यायाधीश प्रथम श्रेणी के द्वारा शिविर में उपस्थित बच्चों को साइबर अपराधों के बारे में बताते हुए कहा कि आज के दौर पर बच्चे इंस्टाग्राम पर अनजान व्यक्तियों को फोटो विडियो भेजते हैं जिससे आगे चलकर उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

अंकिता मुदलियार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायगढ़ ने अध्ययनरत छात्राओं एवं महिलाओं के सशक्तिकरण तथा कार्यस्थलों पर महिलाओं के संरक्षण से संबंधित कानूनों पर जानकारी प्रदान की और कहा प्राधिकरण का मुख्य कार्य लोगों को नि:शुल्क कानूनी सहायता और न्याय दिलाना है। यहाँ महिलाओं को विशेष सुरक्षा एवं सहायता दी जाती है। इस संदर्भ में उन्होंने महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में पीड़ित क्षतिपूर्ति योजनाओं के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी।

ऊर्जा एवं जल संरक्षण पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यशाला आयोजित

रायगढ़

कृषि विज्ञान केंद्र, रायगढ़ एवं जिला कार्यालय क्रेडा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ऊर्जा एवं जल संरक्षण हेतु एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यशाला आयोजित हुआ। जिसमें जोनल क्रेडा कार्यालय रायगढ़ के कार्यापालन अभियंता जे.आर.साण्डे एवं जिला प्रभारी सुमन किशोर किन्डो तथा इस केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ.बी. एस.राजपूत के साथ-साथ डॉ. खूबचंद बघेल पुरस्कार से सम्मानित कृषक खेमराज पटेल के साथ अन्य 70 से अधिक प्रगतिशील कृषक भी विशेष रूप से एवं आकाशवाणी केंद्र रायगढ़ से रामविलास पटेल उपस्थित थे।

जे.आर.साण्डे ने कहा कि प्रकृति में उपस्थित ऊर्जा की विभिन्न स्रोतों का सावधानी पूर्वक उपयोग और संरक्षण करना चाहिए। डॉ.बी. एस.राजपूत ने मृदा एवं जल संरक्षण हेतु समस्त वैज्ञानिक तकनीक को संतुलित तरीके से अपनाने के लिए कहा एवं जल संरक्षण के देशी एवं व्यवहारिक विधियों को अपनाकर ऊर्जा बचत में योगदान कर सकते हैं। जिला प्रभारी सुमन किशोर किन्डो ने कहा कि सोलर सुजला योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित केंद्र के वैज्ञानिक डॉ.के.डी. महंत ने मृदा संरक्षण के सिद्धांत एवं उपाय के बारे में विस्तृत से बताया साथ ही उन्होंने जैविक एवं प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने हेतु निवेदन किया। डॉ.के. के पैकरा ने उद्यान की फसलों में टपक सिंचाई से जल संरक्षण की महत्व और वाटरशेड संरचना के माध्यम से जल का अधिकतम प्रयोग के बारे में जानकारी दी। अतिथि शिक्षक डॉ. कुमुदनी वर्मा ने ऊर्जा रिसाइकलिंग एवं फार्म मशीनरी दक्षता के बारे में और डॉ. मनोज साहू ने अवशिष्ट प्रबंधन एवं प्रोसेसिंग हेतु उपयोगी उपकरणों का ऊर्जा तीव्रता प्रबंधन तथा ऊर्जा संरक्षण दक्षता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रगतिशील कृषकों को कृषि ऊर्जा सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कन्हैया लाल पटेल ने उपस्थित समस्त विशिष्ट अतिथियों और प्रगतिशील कृषकों को केंद्र का भ्रमण कराकर विभिन्न इकाइयों द्वारा ऊर्जा संरक्षण का जीवंत प्रदर्शन कराया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. के. डी. महंत ने की। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र रायगढ़ के स्टाफ सुरेश प्रधान, नर्मदा उरांव, सुनैना कुर्वंशी सुखलाल राठिया, उषा बरेठ एवं अन्य स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

कलेक्टर गोयल ने स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के समापन दिवस पर बाल संप्रेक्षण गृह पहुंचे, बच्चों ने किया अनुभव साझा

- आपको भी मिलेगा दूसरा मौका, देश के विकास में बने भागीदार-कलेक्टर कार्तिकेया गोयल

रायगढ़

कलेक्टर कार्तिकेया गोयल आज पंजरी प्लांट स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में आयोजित स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के समापन दिवस में पहुंचे। कलेक्टर गोयल ने प्रशिक्षण में सफल बच्चों को प्रमाण पत्र का वितरण भी किया। इस दौरान बच्चों ने अपने प्रशिक्षण के अनुभव को साझा किए। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी एल.आर. कच्छप, जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश पटेल, बाल कल्याण समिति के सदस्य लक्ष्मी पटेल, जिंदल फाउंडेशन से ऋषिकेश शर्मा, आलोक झा, प्रशिक्षक हिमांशु त्रिपाठी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने बच्चों से कहा कि आपको इलेक्ट्रिकल का प्रैक्टिकल करवाया गया है। जो बेसिक है लेकिन आप अगर इसमें अपनी लगन बनाए रखेंगे तो निश्चित तौर पर इस क्षेत्र में आगे बेहतर कर सकते है। इस स्किल को अपने और परिवार के लिए रोजगार के रूप में उपयोग करें। उन्होंने कहा कि जीवन का सफर बहुत लंबा है, अभी आप जहां है, इसके बाद भी बहुत समय है। जीवन में हर किसी को दूसरा मौका मिलता है, आपको भी मिलेगा, जो मौका मिलेगा उसका बेहतर उपयोग करना है और अपने अच्छे कार्यों से देश के विकास में भागीदार भी बनना है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी एल.आर. कच्छप ने बताया कि वर्तमान बाल संप्रेक्षण गृह में 23 बच्चे है। जिनके लिए पर्याप्त सुविधाएं है, वहीं 23 बच्चों में से 21 बच्चों का आधार कार्ड तथा 15 बच्चों का आयुष्मान कार्ड बन चुका है। शेष बच्चों का विभागीय समन्वय कर अतिशीघ्र बनाया जाएगा।

कलेक्टर ने बाल संप्रेक्षण गृह का किया अवलोकन, सुविधाओं की ली जानकारी

कलेक्टर गोयल ने बाल संप्रेक्षण गृह का अवलोकन करते हुए मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने लाइब्रेरी, मनोरंजन कक्ष, शयन कक्ष सभी को देखा। इस दौरान उन्होंने रात के व्यवस्थाओं की जानकारी लेने पर संबंधित अधिकारी ने बताया कि रात में गार्ड, पैरामेडिकल स्टॉफ रहते है।

हसदेव नदी और जंगल बचाने निकाली गई पदयात्रा

कोरबा । आरएनएस

हसदेव नदी और इससे लगे जंगल को बचाने के लिए हसदेव बचाओ पदयात्रा शुरू हो गयी है। यह यात्रा रविवार को 10 बजे ग्राम खहरिया से शुरू हुई। ग्राम के लोग इसमें शामिल हो एकजुटता का संदेश दे रहे हैं। इस यात्रा में किसान महासभा और भू-विस्थापित किसान संघ के पदाधिकारी भी शामिल हो रहे हैं।

किसान सभा की ओर से बताया गया है कि उक्त यात्रा बिलासपुर के नेहरू चैक से 24 नवंबर को शुरू हुई थी। यात्रा का यह आठवां दिन है। इस दिन यात्रा में शामिल लोग एसईसीएल की कोयला खदान से प्रभावित ग्राम खहरिया में रूके। रात भर यहां ठहरने के बाद यात्रा आगे के लिए रवाना हुई। संघ की ओर से बताया गया है कि यात्रा में शामिल लोग पैदल चल रहे हैं। यात्रा सर्वमंगला मंदिर होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर के रास्ते सीएसईबी चैक पहुंचेगी। समिति हसदेव नदी बचाओ यात्रा में शामिल होने के लिए लोगों को अपने साथ जोड़ रही है।

गौरतलब है कि किसान सभा के बैनर तले कोयला खदान से प्रभावित ग्रामीण एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इसमें सबसे प्रमुख मांग खदान प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य के साथ-साथ प्रभावित लोगों के लिए रोजगार व पुनर्वास बड़ा मामला है। ग्रामीण पूर्व में अधिग्रहित की गई उस जमीन को भी वापस करने की मांग कर रहे हैं जिसका अभी तक कोयला कंपनी की ओर से इस्तेमाल नहीं किया गया है और इसकी मियाद पूरी हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ में हुआ राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण, 81 हजार से अधिक छात्रों की दक्षताओं का हुआ समग्र मूल्यांकन

रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर केन्द्र शासन द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छत्तीसगढ़ में भी लागू किया जा चुका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत देश भर में एक साथ राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण 2024 का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण 2024 में कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमी की 3409 स्कूल से 81 हजार 179 विद्यार्थियों की दक्षताओं का समग्र मूल्यांकन किया गया।

इस परख सर्वेक्षण का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ-साथ शिक्षकों, स्कूलों और पूरी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता का आकलन करना है। यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप छात्रों की बुनियादी और मध्य स्तर की क्षमताओं का आकलन करता है। प्राप्त परिणामों के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर राज्यों की शैक्षणिक गुणवत्ता की रैंकिंग की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में किए गए सर्वेक्षण में कक्षा तीसरी के 1199 स्कूलों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें कुल 24 हजार 379 विद्यार्थी शामिल हुए। इसी प्रकार कक्षा छठवीं के 1065 स्कूल से 25 हजार 665 विद्यार्थी और कक्षा नवमी के 1145 स्कूल से 31 हजार 135 विद्यार्थी शामिल हुए। इस प्रकार कुल 3409 स्कूलों से कुल 81 हजार 179 विद्यार्थी परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में शामिल हुए।

गौरतलब है कि इस बार परख (PARAKH-प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा एवं समग्र विकास के लिए ज्ञान का विश्लेषण) नाम दिया गया। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य बच्चों के समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत छात्रों के मूल्यांकन से संबंधित मापदंड स्थापित करना है। इस बार सर्वेक्षण कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमी के छात्रों पर केंद्रित रहा, जो उनके पिछले कक्षाओं में अर्जित दक्षताओं पर आधारित था। परीक्षा में प्रश्न ओएमआर शीट के माध्यम से बहुविकल्पीय प्रारूप में रखा गया था।

निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान का होगा आयोजन

- 7 दिसम्बर से होगा अभियान की शुरूआत, 4 चरणों में होंगे आयोजित

रायगढ़

स्वास्थ्य विभाग द्वारा निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान चार चरणों में गतिविधियां आयोजित किये जायेंगे। प्रथम चरण-07 से 22 दिसंबर 2024 तक प्रचार-प्रसार, जन भागीदारी गतिविधियां, घर-घर सर्वे, सूची बनाना-उच्च जोखिम एवं टी.बी, कुष्ठ, शंकास्पद, वयोवृद्ध व्यक्ति पहुंचना होगा। इसी तरह द्वितीय चरण-23 दिसंबर से 28 फरवरी 2025 तक मलेरिया हेतु मोपअप गतिविधि एवं फालोअप, एक्स-रे हेतु मोबिलाइजेशन, टीबी सैंपल संग्रहण एवं जांच का आयोजन होगा। तीसरा चरण- 01 मार्च से 15 मार्च तक स्वास्थ्य शिविर, सहायक उपकरणों की पुष्टि, चतुर्थ चरण-अंतिम रिपोर्टिंग संकलन कर स्वास्थ्य लाभ दिया जाएगा। कार्यक्रम में सभी उच्च जोखिम वाले समूहों के मरीजों को अपील की जायेगी। साथ ही टी.बी उपचारत मरीजो को अतिरिक्त पोषण के रूप में फूड बास्केट वितरण किया जायेगा। उक्त 100 दिवस अभियान के दौरान संबंधित क्षेत्र के मितानिन एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ द्वारा घर-घर जाकर टी.बी, कुष्ठ, मलेरिया, वयोवृद्ध इत्यादि संदेहास्पद मरीजों का चिन्हांकित कर स्वास्थ्य केंद्र में नि:शुल्क एक्स-रे एवं उच्च तकनीक द्वारा जांच कर समुचित उपचार किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480